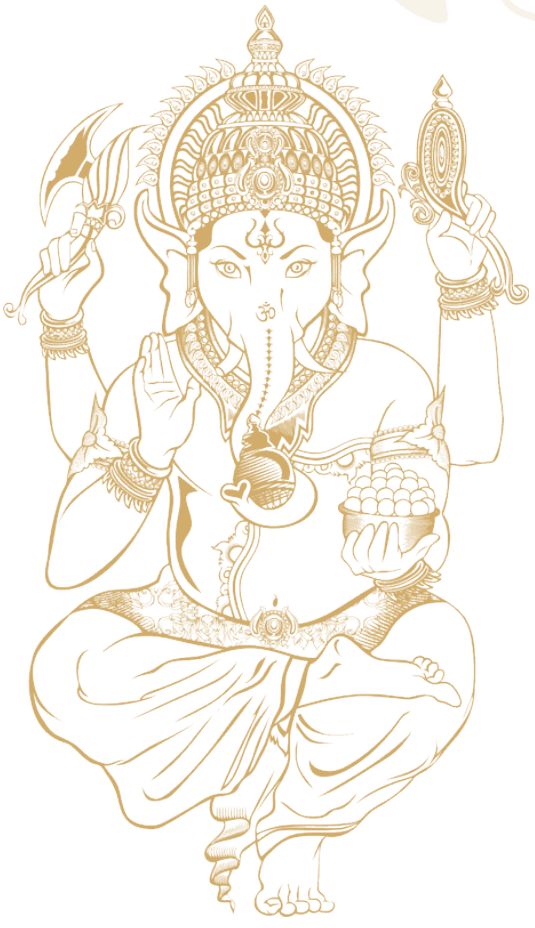

Raj Arjariya

Ms. Sakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119751002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/07/1994	जन्म तिथि	29/06/1997
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 08:45:00	जन्म समय	20:53:00 घंटे
घटी 07:55:39	जन्म समय(घटी)	38:32:29 घटी
India	देश	India
Jhansi	स्थान	Jabalpur
25:27:00 उत्तर	अक्षांश	23:10:00 उत्तर
78:34:00 पूर्व	रेखांश	79:57:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:15:44	स्थानिक संस्कार	-00:10:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:34:44	सूर्योदय	05:27:23
19:08:26	सूर्यास्त	18:59:45
23:47:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:18

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 1मा 13दि		10:12:46	सिंह	लग्न	मक	14:04:45	केतु 1वर्ष 0मा 22दि	
गुरु		29:35:55	मिथु	सूर्य	मिथु	14:05:15	चन्द्र	
29/08/2015		00:43:32	तुला	चंद्र	मेष	11:18:45	21/07/2024	
29/08/2031		14:47:53	वृष	मंगल	कन्या	10:52:56	22/07/2034	
गुरु	16/10/2017	09:21:35	मिथु	बुध	मिथु	18:45:08	चन्द्र	22/05/2025
शनि	28/04/2020	11:16:34	तुला	गुरु व	मक	27:30:45	मंगल	21/12/2025
बुध	04/08/2022	11:42:00	सिंह	शुक्र	कर्क	07:13:47	राहु	22/06/2027
केतु	11/07/2023	18:11:22	कुंभ व	शनि	मीन	25:37:10	गुरु	21/10/2028
शुक्र	11/03/2026	28:01:04	तुला	राहु व	सिंह	29:12:36	शनि	22/05/2030
सूर्य	28/12/2026	28:01:04	मेष	केतु व	कुंभ	29:12:36	बुध	21/10/2031
चन्द्र	28/04/2028	00:37:10	मक व	हर्ष व	मक	14:00:25	केतु	22/05/2032
मंगल	04/04/2029	28:08:18	धनु व	नेप व	मक	05:18:57	शुक्र	20/01/2034
राहु	29/08/2031	01:36:32	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	09:31:01	सूर्य	22/07/2034

लग्न-चलित

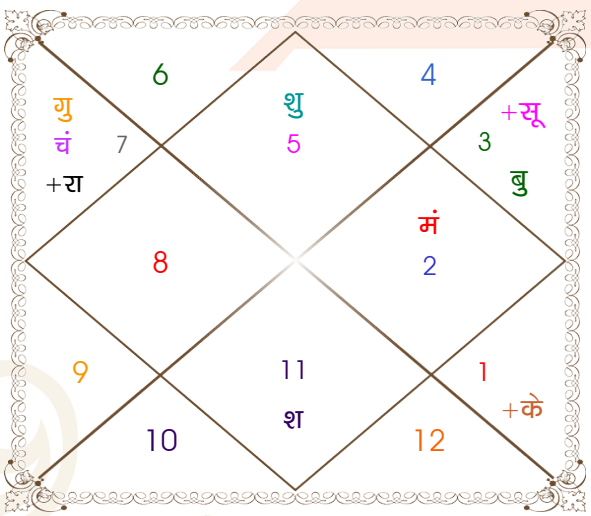

लग्न-चलित

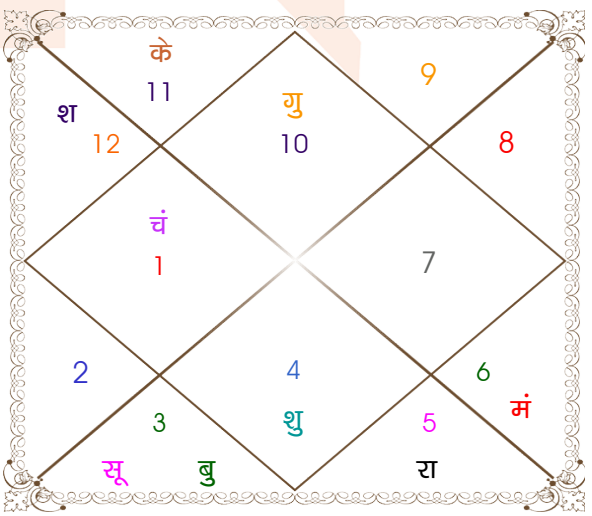

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	अश्व	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

ंत्र ।तरंतपलं का वर्ग मृग है तथा डेण्ँीप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ंत्र ।तरंतपलं और डेण्ँीप का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ंत्र ।तरंतपलं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

डेण्ँीप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

ंत्र ।तरंतपलं तथा डेण्ँीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।